'कृषि-चुनौतियाँ, संभावनाएं और समाधान' विषय के बारे में अध्यक्षीय शोध कदम कार्यशाला

नई दिल्ली, 20 जुलाई 2017 : आज संसदीय ज्ञानपीठ में अध्यक्षीय शोध कदम (एस आर आई) के तत्वावधान में 'कृषि-चुनौतियाँ, संभावनाएं और समाधान' विषय के बारे में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य संसद सदस्यों को देश में कृषि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों और संभावनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना था।

माननीय संसद सदस्यों को संबोधित करते हुए, नीति आयोग के सदस्य, डॉ रमेश चंद ने इस बात पर बल दिया कि खाद्य सुरक्षा को बनाए रखने के लिए कृषि क्षेत्र का बहुत महत्व है, किन्तु खेती-बाड़ी से होने वाली आय किसानों की बढ़ती जरूरतों और इच्छाओं के अनुरूप नहीं बढ़ रही। किसानों के बढ़ते हुए कर्जों के कारण कृषि के क्षेत्र में संकट उत्पन्न हो रहा है, इसलिए नीतिगत कमियों को दूर किया जाना आवश्यक है। सदस्यों को इस क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन लाने के लिए बाजार सुधारों सहित सरकार द्वारा की जा रही वर्तमान पहलों के बारे में भी बताया गया ।

कृषि लागत और मूल्य आयोग के अध्यक्ष, प्रोफेसर विजय पॉल शर्मा ने इस क्षेत्र में पैदावार के बदलते घटकों और संरचनागत परिवर्तन लाने वाले मुख्य कारकों के बारे में जानकारी दी। इस क्षेत्र की कठिनाइयों के बारे में बताते हुए प्रोफेसर शर्मा ने कहा कि खेतों का बंटवारा, प्रौद्योगिकी उपलब्ध न होना और सिंचाई सुविधाओं का उपयोग कुशलता से न किया जाना ऐसी संस्थागत समस्याएँ हैं जिनसे पैदावार प्रभावित हो रही है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के बारे में जागरूक बनाया जाए।

संसद सदस्यों और अन्य व्यक्तियों ने इस ज्ञानप्रद कार्यशाला में भाग लिया जिसमें भारत में कृषि की स्थिति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक, डॉ त्रिलोचन महापात्र ने भी सदस्यों को जानकारी दी। लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई।